चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ......Hindustan Times..........
दिनांक ...3.2.2019... पृष्ठ सं. ...2... कॉलम ...8...

INTERIM BUDGET

11 lakh farmers of state to get benefit of ₹6,000: Dhankar

HISAR: Haryana agriculture minister OP Dhankar on Saturday said more than 11 lakh farmers of the state, who are having five acres or less than five acres of agricultural land, will directly get Rs 6,000 per year in their bank accounts under the income support scheme announced in the interim budget by the Union government.

Dhankar stated this while addressing mediapersons at Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (CCSHAU), Hisar, on the sidelines of an international symposium on 'Innopreneurship: A need of sustainable agriculture'.

He said, "I have met several farmers of the state and they are happy with the scheme. The Haryana government is also feeling proud that three farmers of the state got Padma Shri awards for the best farming from Prime Minister Narendra Modi."

He said the government will soon organise the 4th Agri Leadership Summit at Gannaur where more than 1.5 lakh farmers are expected to participate. Dhankar said the most successful farmers will be given awards such as motorcycles, tractors, scooters and happy-seedesr. He said that on February 12, the government will give awards to those woman sarpanches and panches of the state who have done commendable work in their villages. HTC

MINISTER SAYS HE HAS MET SEVERAL FARMERS OF THE STATE AND THEY ARE HAPPY WITH THE CENTRAL SCHEME

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक जागरण

दिनांक 3.2.2019 पृष्ठ सं. 18 कॉलम 2-8

कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर मिलेगा हरियाणा किसान रत्न

एचएयू के स्वर्ण जयंती वर्ष के शुभारंभ पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में पहुंचे कृषि मंत्री धनखड़

जागरण संवाददाता, हिसार : हरियाणा में कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले किसानों व वैज्ञानिकों को अब हरियाणा किसान रत्न अवार्ड से नवाजा जाएगा। इस अवार्ड में किसान को 5 लाख रुपये और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। यह बात प्रदेश के कृषि मंत्री ओपी धनखड़ ने कही। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती वर्ष के शुभारंभ पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में शिरकत कर रहे थे। 1970 में स्थापित एचएयू ने शनिवार को अपने 50 वर्ष में प्रवेश किया। प्रो. धनखड़ ने कुलपति प्रो. केपी सिंह की अगुवाई में स्वर्ण जयंती महिला छात्रावास की आधारशिला रखी। कार्यक्रम में उपस्थित विशिष्ट अतिथियों मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी, अमेरिका की सीनियर एसोसिएट डीन डा. कैली एफ मिलेनचा और पवलोदर स्टेट यूनिवर्सिटी कजाखस्तान के प्रोफेसर डा. वीए केलविन ने हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधानों की प्रशंसा की। इस वर्ष पद्मश्री अवार्ड प्राप्त करने वाले प्रदेश के तीन किसानों कमल सिंह चौहान, सुल्तान सिंह और नरेन्द्र सिंह को सम्मानित किया।

किसानों के उत्पाद बिकेंगे एचएयू ई-मार्ट पर : कृषि मंत्री ने उपभोक्ताओं को विश्वविद्यालय और प्रदेश के किसानों व कृषक महिलाओं द्वारा तैयार किए गए उत्पाद ऑनलाइन उपलब्ध कराने के लिए एचएयू ई-मार्ट वेबसाइट का भी शुभारंभ किया। इस पर उपभोक्ताओं को ब्रांड बनाकर उत्पाद उपलब्ध करवाए जाएं। ब्रांड बेचने से किसानों और विश्वविद्यालय को उत्पादों का अधिक दाम मिलेगा।

एचएयू के कृषि सभागार में आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित करते कृषि मंत्री ओमप्रकाश धनखड़। • जागरण

कृषि महाविद्यालय में प्रदर्शनी देखते लोग। • जागरण

15 से गन्नौर में होगी एग्रो समिट

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग 15 से 17 फरवरी तक गन्नौर में एग्री समिट आयोजित करेगा, जिसमें कृषि वैज्ञानिक, योजनाकार, एग्री-इंडस्ट्री और किसान भाग लेंगे। इस अवसर पर कृषि में बेहतर उपलब्धियां हासिल करने वाले किसानों को कृषि रत्न अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा।

37 विवि और 250 कंपनियों के साथ काम कर रही एचएयू

कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय 37 विदेशी विश्वविद्यालयों तथा करीब 250 कम्पनियों के साथ मिलकर कार्य कर रहा है।

तीन घंटे कड़ाके की ठंड में बैठे रहे किसान

कृषि मंत्री बोले- पीएम को भेजूंगा फोटो

जागरण संवाददाता, हिसार : हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) ने शनिवार को 49वां स्थापना दिवस मनाया। इस मौके पर केंद्रीय बजट के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने कृषि मंत्री ओमप्रकाश धनखड़ का किसानों के साथ एक कार्यक्रम रखा जिसमें बजट की खूबियों को किसानों के सामने रखना था। कार्यक्रम में कृषि मंत्री को एचएयू में 10 बजे पहुंचना था।

किसानों को आधा घंटा पहले एचएयू के फैकल्टी हाउस के प्रांगण में एकत्रित किया गया। साढ़े 9 बजे सभी किसान पहुंच गए और कृषि मंत्री का इंतजार करने लगे। मगर कृषि मंत्री अपने तय समय से तीन घंटे देरी से एचएयू पहुंचे। किसान कड़ाके की ठंड में मंत्री का इंतजार करते रहे। ठीक 12:30 बजे कृषि मंत्री एचएयू पहुंचे और किसानों से रूबरू हुए। बजट की खूबियां गिनाने के बाद कृषि मंत्री किसानों से बोले कि आप लोगों की फोटो उतारकर पीएम मोदी को भेजूंगा। आप बजट से कितने उत्साहित हैं ये प्रधानमंत्री को भी पता होना चाहिए।

सरकार ने 75 हजार करोड़ रुपये किसानों को दिए : कृषि मंत्री ओमप्रकाश धनखड़ ने कहा कि आजादी के बाद आज तक किसी सरकार ने किसानों के लिए बजट में योजना लागू करने की हिम्मत नहीं की। इस योजना से जहां देशभर के 12 करोड़ किसानों के लिए 75 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है वहीं हरियाणा के कुल 16 लाख में से 11 लाख किसान इस योजना के तहत लाभांवित होंगे। पिछली सरकारों में इतनी बड़ी राशि के आंकड़े घोटालों के लिए तो सुने जाते थे, विकास और योजनाओं के लिए कभी नहीं सुनाई दिए।

संगोष्ठी में प्रगतिशील किसान को सम्मानित करते कृषि मंत्री ओमप्रकाश धनखड़।

हमने चप्पल दी तो कांग्रेस कहती है कि जूते क्यों नहीं दिए

मंत्री ने राहुल गांधी को राजनीतिक ठग बताते हुए कहा कि कांग्रेस ने पंजाब, कर्नाटक, मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनावों में किसानों के कर्ज माफी के झूठे वादे किए। उन्होंने तो अपने शासनकाल में किसानों को ऐसी 1 रुपया लाभ देने वाली घोषणा भी नहीं की थी। यह तो वही बात हो गई कि कांग्रेस ने तो लोगों को नंगे पांव दौड़ाया, जब हमने लोगों को चप्पल दी तो कांग्रेसी कहते हैं जूते क्यों नहीं दिए गए।

जितना मोदी ने किया उतना चरण सिंह, देवीलाल भी नहीं कर पाए

धनखड़ ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री व किसान नेता चौ. चरण सिंह, एचडी देवगौड़ा और पूर्व उपप्रधानमंत्री व किसान नेता चौ. देवीलाल भी किसानों के हित में इस प्रकार की योजना को लागू नहीं कर सके थे। पिछले 70-72 साल में ऐसा पहली बार हुआ है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट में किसान ही नहीं, श्रमिक-मजदूर, वेतनभोगी और व्यापारी, हर वर्ग के लिए केंद्र सरकार ने महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम पंजाब केसरी
दिनांक 3.2.2019 पृष्ठ सं. 3 कॉलम 1-5

उद्यमशील खेती बनेगी देश की समृद्धि का आधार : ओ.पी. धनखड़

कृषि मंत्री ओमप्रकाश धनखड़ ने की एच.ए.यू. के 58वें स्थापना दिवस पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में शिरकत

- पद्मश्री अवार्ड के लिए चुने गए प्रदेश के तीनों किसानों को किया सम्मानित

हिसार, 2 फरवरी (ब्यूरो): हरियाणा के कृषि मंत्री ओमप्रकाश धनखड़ ने कहा कि उद्यमशील खेती ही देश की समृद्धि का आधार बनेगी। इसके लिए कृषि वैज्ञानिकों को ऐसे उद्यमशील किसानों की फौज तैयार करनी होगी जो दूसरों को भी कृषि उत्पादों की ब्रांडिंग व मार्कीटिंग सिखाए।

कृषि मंत्री ओ.पी. धनखड़ ने यह बात शनिवार को हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय सभागार में 2 दिवसीय नवाचार उद्यमशीलता व टिकाऊ खेती पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ करते हुए कही। उन्होंने पद्मश्री

संगोष्ठी में मौजूद अतिथिगण।

अवार्ड के लिए देशभर में चुने गए कुल 12 में से हरियाणा के 3 उद्यमशील किसानों को सम्मानित किया। कृषि मंत्री ने एच.ए.यू.-ई-मार्ट वैबसाइट का शुभारंभ किया तथा विश्वविद्यालय परिसर में बनने वाले स्वर्ण जयंती गर्ल्स हॉस्टल की आधारशिला रखी।

कृषि मंत्री ओमप्रकाश धनखड़ ने कहा कि हमें कृषि क्षेत्र में ऐसे उद्यमशील किसान तैयार करने होंगे जो केवल अपने पैरों पर खड़े होने की ही नहीं बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की सोच रखते हों। इसके पहले एच.ए.यू. के कुलपति प्रो. के.पी.सिंह ने अतिथिगण का स्वागत करते हुए बताया कि विश्वविद्यालय आज अपना 58वां स्थापना दिवस मना रहा है। कृषि उत्पादन में बढ़ौतरी व कृषि क्रांति लाने में इस विश्वविद्यालय ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार के सहयोग तथा वैज्ञानिकों व किसानों के परिश्रम से यह विश्वविद्यालय श्रेष्ठ और ग्रेट बनेगा। कार्यक्रम को यू.एस.ए. की मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी से आईं डा. कैली व कजाकिस्तान विश्वविद्यालय से आए वीए कैमकिन सहित अन्य वैज्ञानिकों ने भी संबोधित किया।

चौथी एग्री लीडरशिप समिट गन्नौर में

कृषि मंत्री धनखड़ ने बताया कि 15, 16 व 17 फरवरी को गन्नौर में 600 एकड़ क्षेत्रफल में हरियाणा की चौथी एग्री लीडरशिप समिट का आयोजन किया जाएगा जिसमें लाखों किसान शिरकत करेंगे। उन्होंने किसानों से इस समिट में अधिक से अधिक भागीदारी करने का आह्वान करते हुए बताया कि इसमें पहुंचकर अपना पंजीकरण करवाने वाले किसानों के लिए प्रदेश सरकार लक्की ड्रा का आयोजन करेगी जिसके विजेताओं के लिए 2 ट्रैक्टर, एक बुलेट मोटरसाइकिल, एक स्कूटी तथा एक हैप्पी सीडर के ईनाम का प्रावधान किया गया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार ने कृषि रत्न अवार्ड शुरू किया है जो विभिन्न फसलों के सर्वाधिक उत्पादन करने वाले किसानों को दिया जाता है। इसके तहत अब तक 38 किसानों को 1-1 लाख रुपए के पुरस्कार दिए जा चुके हैं। इसके अलावा इस वर्ष से हरियाणा किसान रत्न सम्मान भी शुरू किया गया है। इसके तहत किसी एक किसान अथवा कृषि क्षेत्र को आगे बढ़ाने में सहयोग करने वाले किसी व्यक्ति को 5 लाख रुपए का पुरस्कार दिया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक भास्कर

दिनांक 3.2.2019. पृष्ठ सं. 3 कॉलम 1-4

सम्मेलन • कृषि मंत्री ओमप्रकाश ने किया एचएयू ई-मार्ट वेबसाइट का शुभारंभ

धनखड़ ने दिए बेहतर ब्रॉन्डिंग के टिप्स

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय शनिवार को 50 वर्ष पूरा कर स्वर्ण जयंती वर्ष में दाखिल हो गया। इसका स्वागत अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के साथ हुआ। कृषि मंत्री ओपी धनखड़ ने इंटरप्रिन्योरशिपः सतत कृषि की आवश्यकता विषय पर आयोजित उपरोक्त सम्मेलन का उद्घाटन किया। उन्होंने इस मौके पर कुलपति प्रो. के.पी. सिंह की अगुवाई में स्वर्ण जयंती महिला छात्रावास की आधारशिला भी रखी। कार्यक्रम में उपस्थित विशिष्ट अतिथियों मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी, अमेरिका की सीनियर एसोसिएट डीन डॉ. कैली एफ. मिलेनबा और पवलोदर स्टेट यूनिवर्सिटी, कजाख़स्तान के प्रोफेसर डॉ. वी.ए. केलविन ने हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधानों की प्रशंसा की। इससे पूर्व अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार स्टार्ट-अप को बढ़ावा देने की दिशा में कार्य कर रहे हैं।

कार्यक्रम को एग्रीकल्चर कॉलेज के डीन डॉ. के. एस. ग्रेवाल और अतिरिक्त अनुसंधान निदेशक डॉ. नीरज कुमार ने भी संबोधित किया। कृषि मंत्री ओपी धनखड़ ने प्रदेश के किसानों व कृषक महिलाओं द्वारा तैयार किए गए उत्पाद ऑन लाइन उपलब्ध कराने के लिए एचएयू इ-मार्ट वेबसाइट का भी शुभारंभ किया। उन्होंने विवि को सलाह दी कि वह अपने प्रोडक्ट को एक ब्रांड बनाएं ताकि लोगों को लंबे समय तक उन प्रोडक्टों की पहचान दिमाग में बनी रहे। उन्होंने कहा लक्ष्य है तो कोई बाधा सफलता का मार्ग नहीं रोक सकती।

एचएयू की स्थापना के 50 वर्ष पूरे होने पर कृषि मंत्री ओपी धनखड़ देश विदेश से आए वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए।

डॉ. सरिता रानी सहरावत को सम्मानित करते आईपीएनआई डायरेक्टर, कृषि मंत्री व वीसी।

पद्मश्री पुरस्कार पाने वाले किसानों को किया सम्मानित

कार्यक्रम में कृषि मंत्री ओपी धनखड़ ने इस वर्ष पद्मश्री अवार्ड प्राप्त करने वाले प्रदेश के तीन किसानों कमल सिंह चौहान, सुल्तान सिंह और नरेन्द्र सिंह को सम्मानित किया। उन्होंने उपरोक्त सम्मेलन से संबंधित दो पुस्तकों का भी विमोचन किया। इसके साथ एचएयू में डॉ. सरिता रानी सहरावत को इंटरनेशनल प्लांट न्यूट्रिशन इंस्टीट्यूट, साउथ एशिया प्रोग्राम के तहत अपनी प्रेजेंटेशन के लिए आईपीएनआई स्कॉलर अवार्ड से नावाजा गया। उन्हें सर्टिफिकेट ऑफ ऑनर व 1.36 लाख रुपये का चेक देकर पुरस्कृत भी किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक ट्रिब्यून
दिनांक 3.2.2017 पृष्ठ सं. 5 कॉलम 6-8

हकृवि का स्थापना दिवस

उद्यमशील खेती से आयेगी समृद्धि : धनखड़

छात्राओं के हॉस्टल का उद्घाटन। ई-मार्ट वेबसाइट शुरू

हिसार, 2 फरवरी (निस)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती वर्ष पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कृषि मंत्री ओपी धनखड़ ने इन्नोप्रिन्योरशिप : सतत कृषि की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि उद्यमशील खेती ही देश की समृद्धि का आधार बनेगी। उन्होंने कुलपति प्रो. केपी सिंह के साथ स्वर्ण जयंती महिला छात्रावास की आधारशिला रखी और उपभोक्ताओं को विश्वविद्यालय तथा प्रदेश के किसानों व कृषक महिलाओं द्वारा तैयार किए गए उत्पाद ऑन लाइन उपलब्ध कराने के लिए एचएयू ई-मार्ट वेबसाइट का भी शुभारंभ किया।

कार्यक्रम में मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी, अमेरिका की सीनियर एसोसिएट डीन डॉ. कैली एफ. मिलेनबा और पवलोदर स्टेट यूनिवर्सिटी, कजाख़स्तान के प्रोफैसर डॉ. वीए केलविन ने हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधानों की प्रशंसा की।

हिसार कृषि विश्वविद्यालय के फैकल्टी क्लब पार्क में शनिवार को कृषि मंत्री ओमप्रकाश धनखड़ को पगड़ी पहनाकर सम्मानित करते किसान। -हप

'राहुल ने किया कर्ज माफी का झूठा वादा'

हिसार (हप) : कृषि मंत्री ओमप्रकाश धनखड़ ने कहा कि राहुल गांधी राजनीतिक ठग हैं क्योंकि उन्होंने पंजाब, कर्नाटक, मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनावों में किसानों के कर्ज माफी के झूठे वादे किए। वास्तव में वहां किसानों के 12, 15 व 200 रुपये जैसी मामूली राशि माफ की गई है। उन्होंने तो अपने शासनकाल में किसानों को ऐसी 1 रुपया लाभ देने वाली घोषणा भी नहीं की थी। धनखड़ शनिवार को हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के फैकल्टी क्लब पार्क में किसानों को संबोधित कर रहे थे। किसान केंद्रीय बजट में किसानों के लिए की गई लाभकारी घोषणाओं पर कृषि मंत्री का आभार व्यक्त करने यहां पहुंचे थे। किसानों ने फूलमालाएं व पगड़ी पहनाकर कृषि मंत्री का भव्य स्वागत किया।

पद्मश्री अवार्डी 3 किसान सम्मानित : कृषि मंत्री ने इस वर्ष पद्मश्री अवार्ड प्राप्त करने वाले प्रदेश के तीन किसानों कमल सिंह चौहान, सुल्तान सिंह और नरेन्द्र सिंह को सम्मानित किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ......हरिभूमि......

दिनांक ...3.2.2019... पृष्ठ सं. ...14... कॉलम ...2-8...

हकृवि के 50वें स्थापना दिवस पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में पहुंचे कृषि मंत्री

उद्यमशील खेती बनेगी समृद्धि का आधार : धनखड़

- पद्मश्री अवार्ड के लिए चुने गए प्रदेश के तीनों किसानों को किया सम्मानित
- एचएयू-ई मार्ट वेबसाइट का शुभारंभ किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

उद्यमशील खेती ही देश की समृद्धि का आधार बनेगी। इसके लिए कृषि वैज्ञानिकों को ऐसे उद्यमशील किसानों की फौज तैयार करनी होगी जो दूसरों को भी कृषि उत्पादों की ब्रांडिंग व मार्केटिंग सिखाए।

कृषिमंत्री ओपी धनखड़ ने यह बात हकृवि के कृषि महाविद्यालय सभागार में दो दिवसीय नवाचार उद्यमशीलता व टिकाऊ खेती पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ करते हुए कही। उन्होंने पद्मश्री अवार्ड के लिए देशभर में चुने गए कुल 12 में से हरियाणा के 3 उद्यमशील किसानों को सम्मानित किया। कृषि मंत्री ने एचएयू-ई मार्ट वेबसाइट का शुभारंभ किया तथा विश्वविद्यालय परिसर में बनने वाले स्वर्ण जयंती गर्ल्स हॉस्टल की आधारशिला रखी। संगोष्ठी में यूएसए व कजाकिस्तान सहित अन्य कई देशों के कृषि वैज्ञानिकों ने भी शिरकत की। कृषि मंत्री ओमप्रकाश धनखड़ ने कहा कि हमें कृषि क्षेत्र में ऐसे उद्यमशील किसान तैयार करने होंगे जो केवल अपने पैरों पर खड़े होने की ही नहीं बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की सोच रखते हों। इसके लिए किसानों को मार्केटिंग सीखनी और सिखानी पड़ेगी। हर कृषि उत्पाद को ब्रांड के रूप में स्थापित करना होगा ताकि उसकी मांग वैश्विक स्तर पर हो सके।

हकृवि के कृषि सभागार में आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित करते कृषि मंत्री ओमप्रकाश धनखड़। फोटो : हरिभूमि

गन्नौर में होगी एग्री लीडरशिप समिट

ओपी धनखड़ ने बताया कि 15, 16 व 17 फरवरी को गन्नौर में 600 एकड़ क्षेत्रफल में हरियाणा की चौथी एग्री लीडरशिप समिट का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने किसानों से इस समिट में अधिक से अधिक भागीदारी करने का आह्वान करते हुए बताया कि इसमें पहुंचकर अपना पंजीकरण करवाने वाले किसानों के लिए प्रदेश सरकार लक्की ड्रा का आयोजन करेगी। प्रदेश सरकार ने कृषि रत्न अवार्ड शुरू किया है जो विभिन्न फसलों के सर्वाधिक उत्पादन करने वाले किसानों को दिया जाता है। इसके तहत अब तक 38 किसानों को 1-1 लाख रुपये के पुरस्कार दिए जा चुके हैं। इसके अलावा इस वर्ष से हरियाणा किसान रत्न सम्मान भी शुरू किया गया है। इसके तहत कृषि क्षेत्र को आगे बढ़ाने में सहयोग करने वाले व्यक्ति को 5 लाख रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा।

पदमश्री लेने वाले 12 में से 3 किसान हरियाणा के

कृषि मंत्री ओपी धनखड़ ने कहा कि देश में कुल 12 में से हरियाणा के 3 किसानों को पदमश्री अवार्ड के लिए चुना गया है। उन्होंने इन तीनों किसानों, कंवल सिंह चौहान, सुल्तान सिंह व नरेंद्र सिंह को समारोह में सम्मानित करते हुए उन्हें बधाई दी। इन किसानों का उदाहरण देते हुए कृषि मंत्री ने किसानों से आह्वान किया कि वे जो चाहें वह कर सकते हैं, क्योंकि अपनी सफलता का निर्माता मनुष्य खुद है। जो शिखर तक पहुंचते हैं, वे भी हम जैसे ही व्यक्ति होते हैं।

30 देशों के विद्यार्थी ले रहे हैं शिक्षा

कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय स्वर्ण जयंती वर्ष में प्रवेश कर रहा है। यहां आज 30 देशों के विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं जोकि इस विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षा व अनुसंधान के क्षेत्र में अर्जित की गई उपलब्धियों की लोकप्रियता का प्रतीक है। उन्होंने कहा यह विश्वविद्यालय 37 विदेशी विश्वविद्यालयों तथा करीब 250 कम्पनियों के साथ मिलकर कार्य कर रहा है।

स्टार्टअप को देंगे बढ़ावा

पूर्व अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार स्टार्ट-अप को बढ़ावा देने की दिशा में कार्य कर रहे हैं। कार्यक्रम में उपस्थित विशिष्ट अतिथियों मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी, अमेरिका की सीनियर एसोसिएट डीन डॉ. कैली एफ. मिलेनबा और पवलोदर स्टेट यूनिवर्सिटी, कजाखस्तान के प्रोफेसर डॉ. वी.ए. केलविन ने हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधानों की प्रशंसा की।

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक जागरण

दिनांक 5.2.2019 पृष्ठ सं. 30 कॉलम 2-5

रोबोटिक्स और सेंसर होंगे भविष्य की कृषि के योद्धा

एचएयू के इंटरनेशनल सिंपोजियम में कृषि उत्पादन बढ़ाने को वैज्ञानिकों ने रखे विचार

जागरण संवाददाता, हिसार : लागत कम करने के साथ उत्पादन को बढ़ाना देश के किसानों और वैज्ञानिकों के लिए चुनौती है। लेकिन आने वाले समय में इस चुनौती को दूर करने में टेक्नोलॉजी की अहम भूमिका होगी। रोबोटिक्स, सेंसर और ड्रोन भविष्य की कृषि के योद्धा होंगे और किसान दुनिया में किसी भी जगह से अपनी फसल पर नजर रखने के साथ-साथ उसे ऑपरेट कर सकेगा। रविवार को एचएयू के स्वर्ण जयंती वर्ष पर इंटरनेशनल सिंपोजियम में डिजिटल ट्रांसफोर्मेशन इन एग्रीकल्चर पर हुए सेशन ने अपने व्याख्यान में वैज्ञानिकों ने ये बात कहीं। हरसैक की वैज्ञानिक सुषमा बिष्ट ने कहा कि देश में कई जगहों पर सेंसर और ड्रोन का इस्तेमाल प्रयोगात्मक तौर पर हो रहा है, लेकिन भविष्य में स्थायी और उपलब्ध संसाधन के रूप में उपयोग करके हम कृषि को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में सक्षम होंगे। उन्होंने कहा कि कृषि में प्रौद्योगिकी को एजटेक के रूप में भी जाना जाता है, जिसने उद्योग जगत में तेजी से बदलाव लाया है। रविवार को समापन अवसर पर कुलपति केपी सिंह बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों को अपने विद्यार्थियों पर विश्वास के साथ उन्हें काम करने की अधिक से अधिक आजादी देनी चाहिए।

एचएयू में सेमिनार के दौरान विद्यार्थी प्रीति शर्मा को प्रशस्ति पत्र देते कुलपति केपी सिंह।

भविष्य में मशीन लर्निंग कर सकेगी अच्छी किस्म की भविष्यवाणी

डिजिटल ट्रांसफोर्मेशन के तहत मशीन लर्निंग और एडवांस्ड एनालिटिक्स से डेटा को रीड और सेव किया जा सकता है। यह पौधे के प्रजनकों के साथ, बीज बोने से पहले शुरू हो सकता है। वैज्ञानिकों के अनुसार मशीन लर्निंग भविष्यवाणी कर सकता है कि कौन से लक्षण और जीन फसल उत्पादन के लिए सबसे अच्छे होंगे, ताकि दुनिया भर के किसानों को उनके स्थान और जलवायु के लिए सबसे अच्छी किस्म मिल सके।

ये हैं इनका योगदान

सेंसर

खेतों के आसपास रणनीतिक रूप से लगाए गए सेंसर किसानों को दुनिया में कहीं से भी अपनी फसलों को देखने की अनुमति दे रहे हैं। ये सेंसर किसानों को वास्तविक समय में जानकारी तक भेजते हैं, इसलिए उनकी फसलों के अनुसार परिवर्तन किया जा सकता है। सटीक कृषि में, ट्रैक्टर और अन्य कृषि उपकरण सेंसर के साथ निर्मित किए जा रहे हैं।

ड्रोन

ड्रोन किसानों के लिए एक अमूल्य उपकरण है, क्योंकि वे उन्हें खेतों को स्कैन करने में मदद करते हैं। फसलों की निगरानी, बीजारोपण और पौधों के स्वास्थ्य का विश्लेषण करते हैं। उन्नत सेंसरों और इमेजिंग प्रोसेसिंग क्षमताओं वाले ड्रोन क्षेत्र की सटीक फोटो कैप्चर कर सकते हैं, जो सिंचाई की समस्याओं से लेकर मिट्टी की भिन्नता को उजागर करते हैं।

रोबोटिक्स

कृषि क्षेत्र में भविष्य में अधिक और जल्दी उत्पादन करने में रोबोटिक्स का अहम योगदान होगा। यह कृषि के भीतर रोबोटिक्स उत्पादकता में सुधार करेगा और इसके परिणामस्वरूप उच्च और तेज पैदावार होगी। छिड़काव और निराई के लिए उपयोग किए जाने वाले रोबोट, एग्रोकेमिकल उपयोग को अविश्वसनीय रूप से कम कर सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक भास्कर

दिनांक 3.2.2019 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 2-6

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन • एचएयू में 700 वैज्ञानिकों ने इनोवेटिव आइडिया आधारित कृषि कार्यों पर दिए लेक्चर

ग्राउंड पर फेल होने वाले किसानों ने बनाए जुगाड़, जिन पर ध्यान दिया जाए तो सुदूर क्षेत्रों तक किसान बनेंगे उद्यमी

भास्कर न्यूज | हिसार

सरकार किसानों की आय दोगुनी करने का लोगों से वादा कर चुकी है, इस ओर कई कदम बढ़ाए हैं। इस मुद्दे पर देश-विदेश के वैज्ञानिक क्या सोचते हैं और कैसे आय दोगुनी होगी। इसकी एक झलक शनिवार को एचएयू में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में दिखाई दी।

सम्मेलन में देश-विदेश से पहुंचे 700 वैज्ञानिकों ने स्टार्टअप, इनोवेशन की बात की। डॉ. राजबीर का जुगाड़ सभी आगंतुकों को पसंद आया। वैज्ञानिक मानते हैं कि बड़ी-बड़ी कार्य योजनाओं के अलावा ऐसे जुगाड़ों की जरूरत है, जिनके माध्यम से किसानों ने राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई, साथ ही लाखों रुपए का व्यापार कर रहे हैं।

एचएयू के 50 वर्ष पूरे होने पर कुलपति प्रो. केपी सिंह की अध्यक्षता में शनिवार को एचएयू में इन्नोप्रिन्योरशिपः सतत कृषि की जरूरत विषय पर सेमिनार हुआ। इसका शुभारंभ कृषि मंत्री ओपी धनखड़ ने किया।

कार्यक्रम में मिशिगन स्टेट विवि, अमेरिका की सीनियर एसोसिएट डीन डॉ. कैली एफ. मिलेनवा व पवलोदर स्टेट विवि, कजाख़स्तान के प्रोफेसर डॉ. वीए केलविन ने स्टार्टअप को इंटरनेशनल स्तर पर पहुंचाने के बारे में बताया।

जुगाड़ वे संसाधन हैं, जो सस्ते थे, पर सफल रहे

जे- हालातों को समझ संसाधनों का प्रयोग करने का निर्णय लेना।
यू- विशेष प्रयासों के साथ यूनिक आइडिया के बारे में सोचना।
जी- सस्ता मार्ग तैयार करना।
ए- कॉन्सेप्ट, एनालिसिस तैयार कर रास्ता खोजना।
आर- समाधान तैयार कर दूसरों की मदद करना।
नोट- जुगाड़ ऐसे किसानों के अनुभवों से तैयार किया, जिन्होंने इनोवेटिव कार्य किए, जो सस्ते थे।

समय के साथ पैसे भी बचाने की जरूरत

- जब जमीन, श्रमिक और अन्य सुविधाएं सीमित मात्रा में और महंगी हो रही हैं, ऐसे में हमारे पास विकास के लिए समय कम बचता है। इसलिए जुगाड़ की जरूरत है।
- मार्डन तकनीकी पहले तो महंगी है फिर सुदूर क्षेत्रों में पहुंच भी नहीं सकती। इसलिए जुगाड़ जरूरी है।
- किसानों को उच्च स्तरीय स्किल और नए उद्यम के तरीकों से यही जुगाड़ चलाने वाले किसान दूसरे किसानों को अच्छे से बता सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक भास्कर

दिनांक 5-2-2019 पृष्ठ सं. 5 कॉलम 3-5

किसान से उद्यमी बनने के वैज्ञानिकों ने रास्ते सुझाए

एचएयू में दो दिवसीय कार्यशाला संपन्न, 700 वैज्ञानिक, अंत्रप्रन्योर, किसानों ने लिया भाग

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू में इन्नोप्रिन्योरशिपः सतत कृषि की आवश्यकता विषय पर आयोजित सम्मेलन रविवार को संपन्न हो गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. केपी सिंह ने की। इसमें 700 के करीब वैज्ञानिक, अंत्रप्रन्योर, किसान आदि उपस्थित रहे। यहां वैज्ञानिकों के वक्तव्य के जरिए नई तकनीक पर बात की है। इंडस्ट्री से जुड़े लोगों ने अपने प्रश्नों को भी साझा किया। इसके साथ ही किसान से उद्यमी बनने तक के भी वैज्ञानिकों ने रास्ते सुझाए। एचएयू ने 2 फरवरी को 50 वर्ष के इस सफर में इस विश्वविद्यालय ने न केवल अनेक उपलब्धियां प्राप्त की अपितु प्रदेश के कृषि एवं ग्रामीण विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। यहां आज 30 देशों के विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं जोकि इस विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षा व अनुसंधान के क्षेत्र में अर्जित की गई उपलब्धियों की लोकप्रियता का प्रतीक है। उन्होंने कहा यह विश्वविद्यालय 37 विदेशी विश्वविद्यालयों तथा करीब 250 कम्पनियों के साथ मिलकर कार्य कर रहा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक भास्कर
दिनांक 5.2.2019 पृष्ठ सं. 5 कॉलम 1-3

ऑरनामेंट प्लांट्स से बढ़ाएं घर की खूबसूरती और ज्वार-बाजरे के बिस्किट से खुद को रखें हेल्दी

सिटी रिपोर्टर • एचएयू के एग्रीकल्चर कॉलेज के ऑडिटोरियम में एक्सपीरियंस एंड लर्निंग प्रोग्राम के तहत रविवार को एग्जीबिशन लगाई गई। इसमें ई-मार्ट पर मिलने वाले सभी प्रोडक्ट्स को एग्जीबिट किया गया। इसमें खास रहा हाइटेक एग्रीकल्चर के स्टूडेंट्स का ऑरनामेंट्स प्लांट्स, इनडोर प्लांट्स के साथ ही हैंगिंग बास्केट को प्रदर्शित करना। इसमें ऑरनामेंट प्लांट्स में पैंजी, पिटूनिया, साल्विया और साइमस जैसे प्लांट्स की पौध तैयार की गई। इनकी पौध एचएयू के स्टूडेंट्स ने डॉ. अरविंद मलिक की गाइडेंस में तैयार की गई। साथ ही फूड एंड टेक्नोलॉजी डिपार्टमेंट के स्टूडेंट्स ने रिफाइंड फ्लोर, ज्वार और बाजरे के बिस्किट भी एग्जीबिशन में शामिल किए। स्टूडेंट दीपिका ने बताया कि अब लोग अपनी हेल्थ को लेकर कॉन्शियस रहने लगे हैं। इसी वजह से पौष्टिकता से भरपूर इन बिस्किट्स को बेहद पसंद किया जा रहा है। साइंटिस्ट्स, प्रोफेसर्स ने एग्जीबिशन में इंट्रेस्ट दिखाया और ऑरनामेंट फ्लावर प्लांट्स के साथ बेकरी फूड खरीदा भी।

एक्सपीरियंस एंड लर्निंग प्रोग्राम
एचएयू के एग्रीकल्चर के ऑडिटोरियम में स्टूडेंट्स ने दिखाए खुद के बनाए प्रोडेक्ट

वैल्यू एडिड प्रोडक्ट्स ने खींचा सबका ध्यान

सेंटर ऑफ फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी के स्टूडेंट्स ने वैल्यू एडिड प्रोडक्ट्स को एग्जीबिट किया। इसमें मैंगो, पाइनएपल के साथ अमरूद का ड्रिंक खास रहा। इसके साथ ही मैंगो चीज, डिहाइड्रेडिड मटर, आंवला कैंडी और पाइन एपल और मैंगो जैम की खरीदारी हुई। इसके साथ प्योर फ्रूट पल्प के बने इन प्रोडक्ट्स के फायदे बताए।

ई-मार्ट पर ऑनलाइन मिल सकेंगे एचएयू के प्रोडक्ट

एचएयू स्टूडेंट्स ने एचएयू में बने सभी प्रोडक्ट्स के ऑनलाइन बिक्री के लिए स्टूडेंट्स ने ई-मार्ट यानि वेबसाइट तैयार की है। इसके जरिए हर प्रोडक्ट की ऑनलाइन खरीदारी की जा सकती है। जहां टैक्सटाइल, बेकरी, कैंडी, बैग्स, कुशन्स जैसे हर प्रोडक्ट उपलब्ध हैं। इसे स्टूडेंट्स ने चार महीने की मेहनत से तैयार किया है। अभी इसकी पहुंच हिसार तक ही रहेगी। आने वाले समय में देश में सभी प्रोडक्ट्स को ऑनलाइन अवेलेबल करवाया जा सकेगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक भास्कर
दिनांक 5.2.2019 पृष्ठ सं. 5 कॉलम 4-5

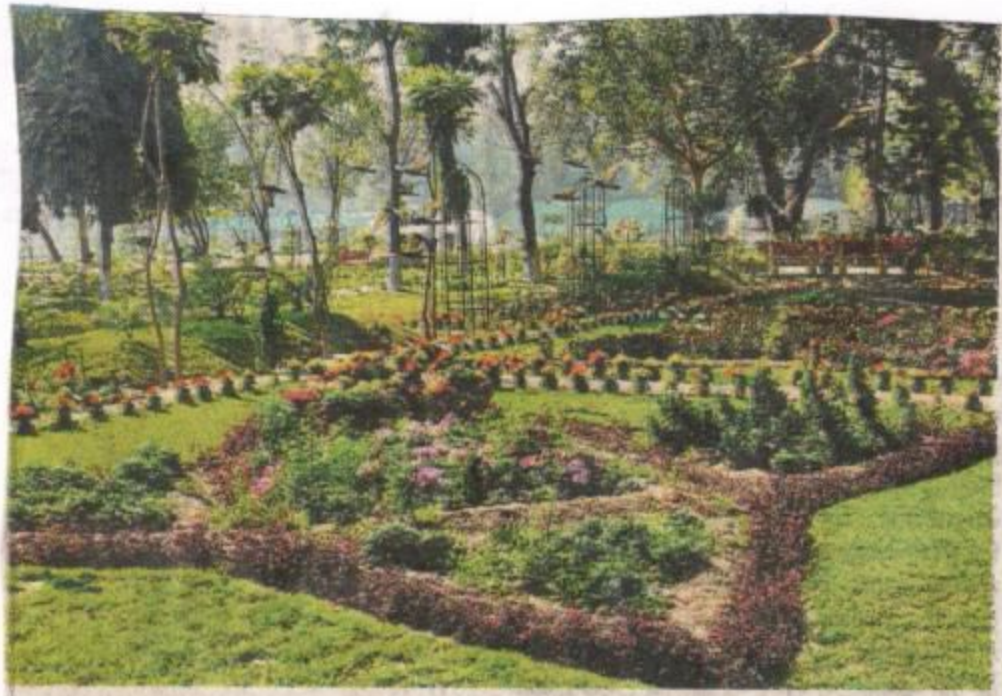

एचएयू में ग्रीनरी के साथ दाना-पानी का अरेंजमेंट किया तो अट्रेक्ट हो रहे पक्षी

सिटी रिपोर्टर• एचएयू का पूरा कैंपस ग्रीनरी से भरा है। ग्रीनरी लवर्स के लिए यह विजिटिंग प्लेस खास है। एचएयू के एग्री टूरिज्म की फॉरेस्ट्री नर्सरी ग्रीनरी के साथ पक्षियों का रैनबसेरा भी बन रही है। इसमें नेचर रियल ब्यूटी के लिए पक्षियों के लिए दाना पानी की व्यवस्था की गई है। जिससे यूनिवर्सिटी में सबसे ज्यादा पक्षी यहां पहुंचते हैं। यहां यूनिवर्सिटी स्टाफ के अलावा आम शहरी भी विजिट कर सकते हैं।

यहां आर्टिफिशियल घोंसले, 50 से ज्यादा हैंगिंग सकोरे, कुछ जमीन पर रखे हैं, हैंगिंग प्लांट्स, अर्बन गार्डन बनाया गया है। बेम्बू गार्डन, ड्रेगन फ्रूट गार्डन, गैंदा, रोज, लिली जैसे प्लांट्स भी लगाए गए हैं।

सबसे ज्यादा इस गार्डन में तोते, मोर नजर आते हैं

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक भास्कर
दिनांक 5.2.2019 पृष्ठ सं. 3 कॉलम 1-3

कामयाबी • हर्मेटिक तकनीक पर एचएयू के स्टूडेंट्स कर चुके काम, नतीजे रहे बेहतर

अनाज-बीजों को कीड़ों से बचाने के लिए दवा नहीं हर्मेटिक स्टोरेज तकनीक से बने बैग करेंगे मदद

भास्कर न्यूज | हिसार

हर घर में अनाज स्टोर कर लिया जाता है। अनाज या बीजों को लंबे समय तक सुरक्षित रखना चुनौती भरा होता है। इसे बचाने के लिए लोग कई तरीके अपनाते हैं। कभी दवाएं डाली जातीं तो कभी देसी नुस्खे आजमाते हैं। मगर अब एचएयू के स्टूडेंट्स ने इस समस्या के समाधान का तोड़ निकाल लिया है। इसके लिए हर्मेटिक स्टोरेज तकनीक मददगार बनेगी। जिससे हर्मेटिक बैग तैयार किए जा सकते हैं, जिसमें अनाज या बीजों का लंबे समय तक सुरक्षित भंडारण किया जा सकता है। यह बैग इतने सुरक्षित हैं कि न तो अनाज में आपको दवा का प्रयोग करने की जरूरत पड़ेगी, न ही कीड़ों से अनाज खराब होने की चिंता रहेगी। क्योंकि इस बैग को ऐसी परिस्थितियों के लिए डिजाइन किया है। इसमें पीवीसी आधारित प्लास्टिक की 3 लेयर के साथ अल्ट्रा लो परमेबिलिटी का प्रयोग किया है। इसे 5 से 30 हजार टन तक छोटे या बड़े स्तर पर प्रयोग किया जा सकता है। इसे एग्रीकल्चर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एवं टेक्नालॉजी डिपार्टमेंट से सुनील कुमार, नितिन कुमार, एके अटकान, वीके सिंह, एमके गर्ग ने तैयार किया है।

ऑर्गेनिक स्टोरेज तैयार कर किया प्रयोग, टैंक की बजाय बैग में 88% बेहतर कंडीशन में मिला अनाज

एचएयू में 9 महीनों के लिए एक टन गेहूं के बीजों को हर्मेटिक बैग में स्टोर करके रखा गया, जिसमें 14 प्रतिशत मॉइश्चर था। तुलना करने के लिए हर्मेटिक बैग के साथ-साथ धातु के बने टैंक और दूसरे बैगों में भी गेहूं को रखा। इसका परिणाम कुछ यह आया कि हर्मेटिक बैग में कार्बनडाई ऑक्साइड का लेवल 9 प्रतिशत दर्ज किया गया। 9 महीने में धातु के टैंक की तुलना में हर्मेटिक बैग में रखे गेहूं के बीज 88 प्रतिशत अच्छी कंडीशन में रखे मिले। इसके साथ ही इस बैग में किसी प्रकार का कैमिकल रिएक्शन नहीं दिखा। जबकि धातु व दूसरे बैगों में रखे बीजों में केमिकल का प्रयोग करना पड़ा। इसके साथ ही हर्मेटिक बैग में ऑक्सीजन लेवल कम होने की वजह से कीड़े भी पनप नहीं पाए।

• संबंधित खबर पेज/6 पर पढ़िए